देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 21.06.2025
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तराखंड में योग के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा–योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि भारत की प्राचीनतम जीवन–पद्धतियों में से एक है।
- आगामी कांवड़ मेला 2025 को उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश पुलिस मिलकर सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगी।
- दक्षिण–पश्चिम मानसून ने उत्तराखंड के कई हिस्सों में दस्तक दी। अगले कुछ दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश की संभावना।

<u>अंतरराष्ट्रीय योग दिवस– उत्तराखंड</u>

आज 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उत्तराखंड में योग के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा परिसर में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत कई जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिक शामिल हैं।

गैरसैंण में आयोजित कार्यक्रम के साथ ही पूरे उत्तराखंड में योग दिवस का उल्लास देखने को मिल रहा है। देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल, पौड़ी, अल्मोड़ा, टिहरी, चंपावत, पिथौरागढ़ से लेकर चमोली और उत्तरकाशी तक विद्यालयों, महाविद्यालयों, पंचायत भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक योग सत्र आयोजित किए गए हैं।

ऋषिकेश और हरिद्वार जैसे योग और अध्यात्म के केंद्रों में बड़ी संख्या में लोगों ने गंगा तटों पर योग कर वातावरण को दिव्य बना दिया। यहां बड़ी संख्या में युवा योग दिवस के कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। वहीं, पहाड़ी क्षेत्रों के स्कूलों और गांवों में भी स्थानीय योग दिवस का उत्साह नजर आ रहा है। ग्रामीण अंचल में लोग कईं स्थानों पर योग कर स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दे रहे हैं।

योग–1

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि योग भारत की प्राचीनतम और गौरवशाली परपंरा का अमूल्य उपहार है। योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करता है बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने सभी लोगों से योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने स्वस्थ व संतुलित समाज के निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

स्वागत और सम्मान

इससे पहले, भराड़ीसैंण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न देशों से आए राजनयिकों और सुप्रसिद्ध योगाचार्यों का स्वागत किया। उन्होंने सभी को प्रतीक चिन्ह और उत्तराखंडी टोपी भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड योग और आयुष की वैश्विक राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। राज्य की शुद्ध जलवायु, हिमालयी वातावरण और आध्यात्मिक परंपरा इसे वेलनेस डेस्टिनेशन के रूप में विशेष बनाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि योग, आयुर्वेद और पंचकर्म के क्षेत्र में उत्तराखंड प्रशिक्षित मानव संसाधन से समृद्ध है, और इन क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान की संभावनाएं मौजूद हैं।

कार्यक्रम में उत्तराखंड की सांस्कृतिक विविधता भी देखने को मिली। नंदा देवी राजजात से शुरू हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में झोड़ा–छपेली, नाटी सहित कई लोकनृत्य शामिल रहे, जो गढ़वाली, कुमाऊनी और जौनसारी संस्कृति की झलक थे।

इस अवसर पर मैक्सिको, फिजी, नेपाल, सूरीनाम, मंगोलिया, लातविया, श्रीलंका और रूस के राजनयिकों सहित कई विशिष्टजन उपस्थित रहे।

कांवड़ मेला

आगामी कांवड़ मेला 2025 को उत्तरखंड और उत्तर प्रदेश पुलिस मिलकर सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगी। इस संबंध में कल हरिद्वार जिले में कोतवाली मंगलौर क्षेत्र स्थित उत्तम शुगर मिल गेस्ट हाउस में शुक्रवार को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बॉर्डर बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य कांवड़ मेले को शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए दोनों राज्यों की पुलिस के मध्य आपसी समन्वय स्थापित करना रहा। इस मौके पर कांवड़ यात्रा मार्गों के ट्रैफिक प्लान, डायवर्जन व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, सक्रिय अपराधियों की सूची के आदान–प्रदान और डीजे संचालन जैसे

विषयों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने निर्णय लिया कि डीजे केवल धार्मिक गीतों तक सीमित रहेंगे और उनकी ऊंचाई–चौड़ाई निर्धारित मानकों के अनुसार रहेगी।

मानसून दस्तक

दक्षिण–पश्चिम मानसून ने उत्तराखंड के कई हिस्सों में दस्तक दे दी है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दो दिनों में पूरे प्रदेश में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल बनी हुई हैं।

26 जून के बीच राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। विशेषकर देहरादून, नैनीताल, टिहरी, चंपावत, और बागेश्वर जैसे जिलों में कई स्थानों पर गरज–चमक के साथ वर्षा हो सकती है।

22 जून को देहरादून और नैनीताल में कहीं–कहीं भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं टिहरी, पौड़ी, हरिद्वार, ऊधमसिंहनगर, चंपावत, अल्मोड़ा और बागेश्वर में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने आम लोगों को तेज हवाएं और भूस्खलन जैसी संभावनाओं को देखते हुए सतर्कता बरतने की सलाह दी है। संवेदनशील इलाकों में रहने वालों, विशेषकर नदी–नालों के पास के लोगों को सचेत रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने का आग्रह किया गया है।

विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों में राज्य के अधिकतर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रह सकता है।

अभियान चलाया

हरिद्वार जिले में स्थित भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड–बीएचईएल में सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने के लिए अभियान चलाया गया। पीसीआरआई महाप्रबंधक अमित श्रीवास्तव ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर बीएचईएल में 4 जुलाई तक पर्यावरण माह मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत बीएचईएल के प्रदूषण नियंत्रण अनुसंधान संस्थान–पीसीआरआई और स्वास्थ्य, सुरक्षा व पर्यावरण विभाग–एचएसई द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने संबंधी जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इस अवसर उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को बंद करना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, स्वस्थ और प्लास्टिक प्रदूषण मुक्त पर्यावरण मिल सके।

<u>विशेष रेलगाड़ी</u>

प्रदेश के नैनीताल जिले के लालकुआँ और उत्तर प्रदेश के झांसी के बीच आगामी 24 जून से साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी का संचालन किया जाएगा। गौरतलब है कि यह ट्रेन कुल सात फेरों के लिए लालकुआँ और झांसी के बीच चलाई जाएगी। इसका संचालन आगामी छह अगस्त तक जारी रहेगा। झांसी से यह ट्रेन हर मंगलवार को रात सवा आठ बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह नौ बजकर पैंतीस मिनट पर लालकुआँ पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन हर बुधवार को दोपहर बारह बजकर बीस मिनट पर चलकर अगले दिन तड़के दो बजे झांसी पहुंचेगी।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर...

इजराइल और ईरान युद्ध की खबर को सभी समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया है। हिन्दुस्तान ने इसी खबर पर अपने शीर्षक में लिखा है– ईरान और इजरायल के बीच शांति के प्रयास तेज।

राष्ट्रीय सहारा की ख़बर है– सिर्फ भारत के लिए खुला ईरानी एयरस्पेस।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के राजधानी देहरादून में कार्यक्रम की समाचार को प्रमुखता स्थान दिया है।

राष्ट्रीय सहारा ने राष्ट्रपति के हवाले से लिखा है–आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग।

दैनिक जागरण ने राष्ट्रपति के भावुक होने के समाचार को प्रमुखता से स्थान दिया– जन्मदिन पर दिव्यांग बच्चों के गीत सुन भावुक हुईं राष्ट्रपति।

उत्तरकाशी जिले में मकान ढहने के समाचार को सभी समाचार पत्रों ने प्राथमिकता से स्थान दिया है। नवोदय टाइम्स की सुर्खी है–उत्तरकाशी–दीवर ढहने से दुधमुंहे समेत चार की मौत। राष्ट्रीय सहारा की हैडिंग है– मकान की दीवार ढहने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत।